

Deccan Education Society's

Kirti M. Doongursee College of
Arts, Science and Commerce
(AUTONOMOUS)



Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for
Program: Bachelor of Arts
Course: T.Y.B.A.
Subject: HINDI

Choice Based Credit System (CBCS)
with effect from
Academic Year 2025-2026

PROGRAM OUTCOMES

PO	Description
	A student completing Bachelor's Degree in Arts/Commerce/Science Program will be able to
PO1	Discipline Knowledge Demonstrates a blend of conventional discipline knowledge and its applications to the modern world. Execute strong theoretical and practical understanding generated from the chosen programme
PO2	Critical Thinking and Problem solving: Exhibit the skill of critical thinking and use higher order cognitive skills to approach problems situated in their social environment, propose feasible solutions and help in its implementation.
PO3	Social Competence: One self clearly and precisely to build good interpersonal relationships in personal and professional life. Make effective use of linguistic competencies to express themselves effectively in real and virtual media. Demonstrate multicultural sensitivity in group settings.
PO4	Research Related Skills: Opportunity for research and higher academic achievements in the chosen field and allied subjects and is aware about research ethics, intellectual property rights and issues of plagiarism. Demonstrate a sense of inquiry and capability for asking relevant/appropriate questions; ability to plan, execute and report the results of a research project be it in field or otherwise under supervision.
PO5	Personal and professional competence: Equip with strong work attitudes and professional skills that will enable them to work independently as well as collaboratively in a team environment
PO6	Effective Citizenship and Ethics: Demonstrate empathetic social concern and equity centered national development; ability to act with an informed awareness of moral and ethical issues and commit to professional ethics and responsibility.
PO7	Environment and Sustainability: Understand the impact of the scientific solutions in societal and environmental contexts and demonstrate the knowledge of and need for sustainable development.
PO8	Self - directed and Life-long learning: Acquire the ability to engage in independent and life-long learning in the broadest context of socio-technological changes.

Deccan Education Society's

Kirti M. Doongursee College (Autonomous)

Department of Hindi

Proposed Curriculum as per NEP 2020 Year of Implementation – 2025-26

Semester	Course Code	Course Title	Vertical	Credit
V	25HINMJ511	साहित्य समीक्षा: स्वरूप एवं सामान्य परिचय (Literary Criticism: Prosody and Rhetorics)	MJ	4
	25HINMJ512	भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और व्याकरण (Linguistics: Hindi Language and Grammar)	MJ	4
	25HINMJ513	दलित विमर्श : कथा साहित्य – I (Dalit Discourse : Fiction - I)	MJ	2
	25HINIKS514	भारतीय और वैश्विक : मिथक एवं पौराणिक कथाएँ (Indian and Global : Myths and Legends)	IKS	2
	25HINMR521	वेब पत्रकारिता – I (Web Journalism)	MR	4
	25HINEL531	संचार क्रांति : वैश्विक परिदृश्य (Communication Revolution : Global Perspective)	EL	2
	25HINVS541	हिंदी साहित्य – हिंदी आलोचना (Hindi Literature – Hindi Criticism)	VSC	2

	25HINFP5	Field Project	FP	2
VI	25HINMJ611	साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार (Literary Criticism: Prosody and Rhetorics)	MJ	4
	25HINMJ612	हिंदी भाषा और व्याकरण (Linguistics: Hindi Language and Grammar)	MJ	4
	25HINMJ613	दलित विमर्श : कथा साहित्य (Dalit Discourse : Fiction - I)	MJ	4
	25HINMR621	वेब पत्रकारिता – II (Web Journalism)	MR	4
	25HINEL631	जनसंचार माध्यम और हिंदी भाषा (Mass Communication & Hindi Language)	EL	2
	25HINOJT6	OJT	OJT	4

Course Code	SEM - V	Credits	Lectures /Week
25HINMJ511	MAJOR - साहित्य समीक्षा: स्वरूप एवं सामान्य परिचय (Literary Criticism: Prosody and Rhetorics)	4	60
<p>Course Outcomes: After successful completion of this course, students would be able to</p> <ol style="list-style-type: none"> 1) (Remember) काव्य के तत्वों को समझना। 2) (Understanding) साहित्य से जुड़े तत्वों को स्पष्ट करना। 3) (Apply) रसास्वादन करने का प्रयास करना। 4) (Analyze) गद्य और पद्य के तत्वों को समझना। 			
Unit	Topics	No of Lectures	
I	<p>समीक्षा -</p> <ul style="list-style-type: none"> • साहित्य - स्वरूप और परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य) • साहित्य के तत्व • साहित्य के हेतु 	15	

	• साहित्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)	
II	कला - <ul style="list-style-type: none"> • स्वरूप और परिभाषा • कलाओं का वर्गीकरण • काव्य कला की श्रेष्ठता • कला और साहित्य का संबंध 	15
III	काव्य के रूप- <ul style="list-style-type: none"> • महाकाव्य: भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय • खंडकाव्य स्वरूप और विशेषताएँ • मुक्तक काव्य स्वरूप और विशेषताएँ • गौतिकाव्य स्वरूप और विशेषताएँ • गजल स्वरूप और विशेषताएँ 	15
IV	• वर्णिक छंद - इंद्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा, द्रुतविलंबित, वंशस्थ, भुजंगप्रयात, तोटक, वसंततिलका, घनाक्षरी। • मात्रिक छंद - दोहा, चौपाई, रोला, सोरठा, कुंडलिया, हरिगीतिका, उल्लाला, तोटक।	15

References:

- 1) काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- 2) भारतीय काव्यशास्त्र-नई व्याख्या - राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्यभवन प्रा. ली., इलाहाबाद।
- 3) साहित्य समीक्षा- कालिदास कपूर, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग।
- 4) कल की जरूरत-अनुवाद - रमेश उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- 5) गजल का काव्यशास्त्र – डॉ. महेश गुप्ता, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।

Course Code	SEM - V	Credits	Lectures /Week
25HINMJ512	MAJOR - भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और व्याकरण (Linguistics: Hindi Language and Grammar)	4	60
Course Outcomes:			
After successful completion of this course, students would be able to			
1) (Remember) भाषा के विकसित रूप को आत्मसात करना। 2) (Understanding) व्याकरणिक दृष्टिकोण से भाषा का अध्ययन करना। 3) (Apply) भाषा संपर्क का माध्यम है, उसे शुद्ध बनाने की कोशिश करना। 4) (Analyze) व्याकरणिक दृष्टिकोण से भाषणों को सशक्त बनाना।			
Unit			
Topics			
No of Lectures			
I	<ul style="list-style-type: none"> भाषा की परिभाषा और उसकी विशेषताएँ भाषा के विविध रूप भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण 	15	
II	<ul style="list-style-type: none"> भाषा विज्ञान : परिभाषा और उपयोगिता भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं का सामान्य परिचय (ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान) 	15	
III	<ul style="list-style-type: none"> वर्ण विचार : उच्चारण की दृष्टि से हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण कारक के भेद एवं उसकी विभक्तियाँ संज्ञा : रूपांतरण के आधार 	15	
IV	<ul style="list-style-type: none"> सर्वनाम : कारक रचना विशेषण : रूपांतरण के आधार क्रिया : रूपांतरण के आधार (वाच्य ,काल, लिंग, पुरुष और वचन के आधार पर) 	15	
Reference Books:			
1) भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद। 2) हिंदी भाषा और लिपि - धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयाग। 3) भाषा विज्ञान शास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। 4) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली। 5) भारतीय साहित्य सिद्धांत - तारकनाथ बाली, किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।			

Course Code	SEM - V	Credits	Lectures /Week
25HINMJ513	MAJOR - दलित विमर्श : कथा साहित्य – I (Dalit Discourse : Fiction - I)	2	30
Course Outcomes:			
After successful completion of this course, students would be able to			
1) (Remember) दलित साहित्य में शोषण के प्रति विद्रोह तथा मानवतावादी मान्यताएँ समझ सकेंगे।			
2) (Understanding) दलित सदियों से सामंतवादी व्यवस्था के हाथों दबा हुआ, कुचला हुआ वर्ग है, समझ पाएँगे।			

- 3) (Apply) साहित्य में लालित्य के स्थान पर दालित्य को देखा जा सकता है।
 4) (Analyze) इस साहित्य दुवारा साहित्य आनंद और सौंदर्यानुभूति के स्थान पर वेदना की मार्मिक और हृदयस्पर्शी अभिव्यक्ति को समझ पाएंगे।

Unit	Topics	No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> आत्मकथा : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा जीवनी और आत्मकथा में अंतर 	15
II	<ul style="list-style-type: none"> सुशीला टाकभौरै - 'शिकंजे का दर्द' (आत्मकथा) डी आर जाटव - 'मेरा सफर मेरी मंजिल' (आत्मकथा) आत्मकथाओं का समन्वित अनुशीलन 	15

References:

- टाकभौरै, सुशीला - शिकंजे का दर्द, (आत्मकथा) विकास प्रकाशन, कानपुर।
- जाटव, डी. आर. - मेरा सफर मेरी मंजिल, (आत्मकथा) समता साहित्य सदन, जयपुर।
- भारद्वाज, डॉ. भगवान शरण भारद्वाज हिंदी जीवनी साहित्य : सिद्धन और अध्ययन – हिंदी जीवनी साहित्य : सिद्धन और अध्ययन, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
- पंकज चतुर्वेदी – आत्मकथा की संस्कृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- वाल्मीकि, ओमप्रकाश – दलित का सौंदर्य शास्त्र
- सिंह, डॉ. डी. एन. - दलित साहित्य के प्रतिमान: दलित साहित्य के प्रेरणा स्रोत
- लिंबाले, शरदकुमार – दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र
- सिंह, सं पुन्नी - भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य
- बांदीवडेकर, चंद्रकांत – साहित्य और दलित चेतना : महीप सिंह
- दुबे, सं अभय कुमार – आधुनिकता के आईने में दलित
- शर्मा, पवित्र कुमार – दलित संघर्ष
- ठाकुर, हरीनारायण – भारत में पिछड़ा वर्ग : आंदोलन और परिवर्तन का नया समाजशास्त्र
- सिंह, डॉ. एन - दलित चिंतन : अनुभव और विचार
- कर्दम, जयप्रकाश – दलित विमर्श : साहित्य के आईने में
- कर्दम, जयप्रकाश – दलित साहित्य : सामाजिक बदलाव की पटकथा
- यादव, राम अवतार – हिंदी आत्मकथा : दलित महाकाव्य, अमन प्रकाशन, कानपुर।

Course Code	SEM – V	Credits	Lectures /Week
25HINIKS514	IKS - भारतीय और वैश्विक : मिथक एवं पौराणिक कथाएँ (Indian and Global : Myths and Legends)	2	30
Course Outcomes:			
After successful completion of this course, students would be able to			
1) (Remember) भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में प्राचीन और वैश्विक मिथक एवं पौराणिक कथाओं का परिचय प्राप्त करना। 2) (Understanding) मिथक एवं पौराणिक कथाओं की महत्ता और उपयोगिता को समझना। 3) (Apply) मिथक एवं पौराणिक कथाओं की जीवन विषयक प्रयोजनीयता को जानना। 4) (Analyze) मिथक एवं पौराणिक कथाओं की मार्मिकता तथा वर्तमान प्रासंगिकता को रेखांकित करना।			
Unit			
	Topics		No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> मिथक : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ और प्रयोजन भारतीय मिथक : 1. मनुष्यों की उत्पत्ति 2. शिव के अवतार चंद्रशेखर 3. वेदवती की प्रतिष्ठा 		15
II	<ul style="list-style-type: none"> वैश्विक मिथक : 1. बेबीलोन : मरडूक 2. चीन : चांग ताओ-लिंग 3. मिस्र : ओसिरिस 4. यूनानी : जीयस 5. रोम : देवता 6. जापान : बेनटेन और तितली 7. युरोप : इडुन के सेब 8. कनाडा : रेवेन 9. मैक्सिको : माया: मनुष्य की सृष्टि 10. अफ्रीका : माबू देवी के पुत्र 		15
References:			
<ul style="list-style-type: none"> भारतीय मिथक कोश – डॉ. उषा पुरी विद्यावाचस्पति भारतीय मिथकों में प्रतीकात्मकता - डॉ. उषा पुरी विद्यावाचस्पति मिथक और साहित्य – डॉ. नगेंद्र विश्व-प्रसिद्ध मिथक एवं पूरण-कथाएँ – नेमिशरण मित्तल पुराणों के मिथक प्रसंग और उसकी वैज्ञानिकता – आचार्य परशुराम ठाकुर 'ब्रह्मवादी' विश्व मिथक सरित्सागर – डॉ. रमेश कुंतल मेघ 			

Course Code	SEM – V	Credits	Lectures /Week
25HINMR521	MINOR - वेब पत्रकारिता – I (Web Journalism)	2	30

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- 1) (Remember) विद्यार्थी पत्रकारिता के तरंग आधारित नए स्वरूप वेब पत्रकारिता से परिचित होगा।
- 2) (Understanding) विद्यार्थी स्वतंत्र पत्रकारिता के विभिन्न पक्षों से परिचित होकर स्वयं का वेबसाइट / वेब पेज / ब्लॉग बनाकर अपने विचारों व समाचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना सीखेगा।
- 3) (Apply) विद्यार्थी यहाँ खुद संपादक और लेखक बनकर इस मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकता है।
- 1) (Analyze) विद्यार्थी सीमित साधनों में ही देश-दुनिया के भिन्न-भिन्न समाचार समूहों से जुड़कर अपनी प्रतिभा से संचार जगत में अपनी पहचान बनाकर रोजगार पा सकेगा।

Unit	Topics	No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> ● वेब पत्रकारिता : परिचय, विविध रूप एवं प्रक्रिया 1) वेब पत्रकारिता : अवधारणा, परिभाषा, संचार माध्यम के रूप में विकास 2) वेब पत्रकारिता के प्रमुख आयाम – वेब पेज, वेब पोर्टल व वेब साइट, ब्लॉग एवं डिजिटल पत्र-पत्रिकाएँ 3) वेब सामग्री संकलन, विषय वस्तु, लेखन प्रक्रिया 4) वेब समाचार निर्माण, संपादन, विषय वस्तु की साज-सज्जा (Layout) 5) वेब पत्रकारिता की भाषा एवं प्रस्तुति 	15
II	<ul style="list-style-type: none"> ● इंटरनेट मीडिया एवं वेब तकनीक 1) इंटरनेट मीडिया एवं वेब तकनीक 2) वेब पत्रकारिता एवं सोशल मीडिया 3) वेब साइट : परिचय एवं प्रमुख अंग 4) वेब पेज : परिचय एवं प्रमुख अंग 5) हिंदी की प्रमुख वेब साइट एवं वेब पेज 	15

References:

- कुमार, सुरेश – इंटरनेट पत्रकारिता – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, सं – 2004
- जोशी, शैलिनी एवं शिवप्रसाद – वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नए रुझान – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, सं – 2012।
- जोशी, शिवप्रसाद – इंटरनेट पत्रकारिता – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं – 2010
- पांडेय, डॉ. भगवान एवं मिथलेश कुमार – आधुनिक मीडिया प्रबंधन - तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, सं – 2009

- माथुर, श्याम - वेब पत्रकारिता – राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, सं – 2010
- मौर्य, रामप्रसाद – समाचार लेखन और वेब पत्रकारिता – राज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, सं – 2018
- वाचस्पति, अविनाश एवं रवीन्द्र प्रभात – हिंदी ब्लोगिंग : अभिव्यक्ति की नई क्रांति – हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, सं – 2011
- वैदिक, डॉ. वेदप्रताप – हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम (भाग – 1 व 2) – हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली, सं – 2016
- सिंह, अजय कुमार – इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली, सं – 2014

Course Code	SEM - V	Credits	Lectures /Week
25HINEL531	ELECTIVE - संचार क्रांति : वैश्विक परिदृश्य (Communication Revolution : Global Perspective)	4	60
Course Outcomes:			
After successful completion of this course, students would be able to			
2) (Remember) विद्यार्थी में विश्व स्तरीय समसामयिक घटनाचक्र का ज्ञान अर्जित कर उनका त्वरित गति से विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।			

- 3) (Understanding) विद्यार्थियों में विश्व स्तर पर रोजगार के अवसर खोजने की प्रवृत्ति जागृत होगी।
- 4) (Apply) विद्यार्थियों को अपने उपलब्ध ज्ञान, प्रतिक्रियात्मक टिप्पणियों, संवाद व संदेश-लेखन से आधुनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।
- 5) (Analyze) अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप संचार माध्यम या विधाओं का चुनाव कर, विद्यार्थी रोजगार का विकल्प प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topics	No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> ● संचार क्रांति : स्वरूप एवं परिचय 1) संचार का तात्पर्य, संचार प्रक्रिया 2) संचार के प्रकार और माध्यम 3) संचार की भारतीय ऐतिहासिक परंपरा 4) संचार क्रान्ति के लाभ एवं हानि 	15
II	<ul style="list-style-type: none"> ● संचार क्रांति एवं अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य 1) संचार क्रांति और वैश्विक परिदृश्य 2) एशिया में उपग्रह क्रांति और सूचना 3) सूचना और समाज पर पश्चिमी वर्चस्व 4) राष्ट्रीय – अंतरराष्ट्रीय जन आंदोलन, वैकल्पिक समाज और मीडिया 	15
III	<ul style="list-style-type: none"> ● उदारीकरण, मीडिया और समाज 1) भारत में उदारीकरण और निजीकरण 2) मीडिया का व्यावसायीकरण और अंतरराष्ट्रीयकरण 3) मुख्य धारा का मीडिया और वैकल्पिक मीडिया 4) उदारीकरण, निजीकरण व मीडिया के व्यावसायीकरण 	15
IV	<ul style="list-style-type: none"> ● भूमंडलीकरण : उत्तर आधुनिकता एवं मीडिया 1) भूमंडलीकरण : बजारवाद और मीडिया 2) उत्तर आधुनिकता : भारतीय समाज और हिंदी मीडिया 3) जन माध्यम और सूचना तकनीक 4) हिंदी समाज, मीडिया और प्रसारण के विविध माध्यम 	15

References:

- उपाध्याय, रमेश एवं संजा सं – “संस्कृति साम्राज्यवाद” - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, सं-1991
- काबरा, कमलनयन – “भूमंडलीकरण के भंवर में भारत” – प्रकाशन संस्थान, दिल्ली, सं-2005
- गुप्ता, ब्रजमोहन – जनसंचार विविध माध्यम – राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, सं – 1992
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर – युद्ध, ग्लोबल संस्कृति और मीडिया – अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली, सं – 2005
- दुर्बे, श्यामचरण – संचार और विकास – प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, सं – 1986
- जोशी, रामशरण – विदेशी रिपोर्टिंग : सिद्धांत एवं व्यवहार – नेहा पब्लिकेशंस, दिल्ली, सं – 2005
- पारख, जबरीमल – जनसंचार के सामाजिक संदर्भ - अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली, सं – 2001

- मधुकर, गंगाधर – भारतीय प्रसारण विविध आयाम – प्रवीण प्रकाशन, राजकोट, सं – 2014
- शर्मा, राधेश्याम – जनसंचार – हिंदी बुक सेंटर, दरियागंज, नई दिल्ली, सं – 1993
- शिलर, हरबर्ट आई. – संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व – Rutledge Publishers – 1976.

Course Code	SEM - V	Credits	Lectures /Week
25HINVS541	VSC - हिंदी साहित्य – हिंदी आलोचना (Hindi Literature – Hindi Criticism)	2	30

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- 1) (Remember) विद्यार्थियों में आलोचनात्मक विवेक/समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा। जिससे वह आलोचना लेखन एवं प्रकाशन के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
- 2) (Understanding) विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान-विज्ञान को निरपेक्ष रूप से समझ सकेगा जिससे सामाजिक दायित्व का निर्वाह कर सकेगा।
- 3) (Apply) समाज कल्याण संबंधी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे।
- 4) (Analyze) विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण के संस्कारों का विकास होगा जिससे वह रचनात्मकता एवं भाषा के क्षेत्र में नए प्रयोग कर सकेंगे।

Unit	Topics	No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> ● आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिक परिचय 1) संस्कृत आलोचना का इतिहास एवं संक्षिप्त परिचय। 2) हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास एवं परिचय। 	15
II	<ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी आलोचना के प्रमुख प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय 1) शास्त्रीय 2) स्वच्छंदतावादी 3) मनोविश्लेषणवादी 4) समाजशास्त्रीय 	15

References:

- जैन, डॉ. निर्मला – हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी – राधाकृष्ण प्रकाशन।
- मुक्तिबोध, गजानन माधव – नए साहित्य का सौंदर्य शास्त्र – राधाकृष्ण प्रकाशन।
- प्रकाश, डॉ. राघव – शैली विज्ञान और भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य शास्त्र – राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
- अवस्थी, देवीशंकर – रचना और आलोचना – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सिंह, डॉ. बचन – आलोचक और आलोचना – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- वाजपेयी, नन्ददुलारे – आधुनिक साहित्य – भारतीय भंडार, इलाहाबाद।
- नवल, नंदकिशोर – हिंदी आलोचना का विकास – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- मिश्र, डॉ. शिवकुमार – हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
- पाण्डेय, मैनेजर – साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका संकट के बावजूद – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- पाण्डेय, मैनेजर – साहित्य और इतिहास दृष्टि – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सिंह, नामवर – कविता के नए प्रतिमान – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सिंह, नामवर – दूसरी परंपरा की खोज - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

- रंजन, सुधीर – कविता के प्रस्थान – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Code	SEM - V	Credits	Lectures /Week / Hours
25HINFP5	FP - Course Title	2	30

Course Code	SEM – VI	Credits	Lectures /Week
25HINMJ611	MAJOR - साहित्य, समीक्षा, छंद एवं अलंकार (Literary Criticism: Prosody and Rhetorics)	4	60

Course Outcomes:

After successful completion of this course, students would be able to

- 5) (Remember) काव्यशास्त्रीय रूप में साहित्य का अध्ययन करना।
- 6) (Understanding) साहित्य के माध्यम से कविताओं के तत्वों को समझना।
- 7) (Apply) कविता में अलंकार के महत्व को समझना।
- 8) (Analyze) काव्यशास्त्रीय दृष्टिकोण से गद्य का अध्ययन करना।

Unit	Topics	No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> ● शब्दशक्ति - अर्थ परिभाषा और स्वरूप, ● शब्दशक्ति के प्रकार (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना शब्दशक्तिओं का सामान्य परिचय) 	15
II	<ul style="list-style-type: none"> ● रस - अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप ● रस के अवयव ● रस के भेद व सामान्य परिचय 	15
III	<ul style="list-style-type: none"> ● गद्य के विविध रूप – ● उपन्यास - परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व ● कहानी - परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व ● रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी और आत्मकथा का तात्त्विक विवेचन 	15
IV	<ul style="list-style-type: none"> ● अलंकार का सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण ● शब्दालंकार-1) अनुप्रास 2) यमक 3)श्लेष 4)वक्रोक्ति 5) विप्सा ● अर्थालंकार-1)उपमा 2)रूपक 3)अतिशयोक्ति 4)उत्प्रेक्षा 5)प्रतीप 6)विरोधाभास 	15

Reference:

- 1) रस सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस एडिशन।
- 2) साहित्य समीक्षा - रामरतन भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद।
- 3) हिंदी का गद्य पर्व - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- 4) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

5) काव्य परिचय - राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, पुस्तक संस्थान नेहरू नगर, कानपुर।

Course Code	SEM - VI	Credits	Lectures /Week
25HINMJ612	MAJOR - हिंदी भाषा और व्याकरण (Linguistics: Hindi Language and Grammar)	4	60
Course Outcomes:			
After successful completion of this course, students would be able to			
9) (Remember) भारतीय प्राचीन भाषाओं का अध्ययन करना।			
10) (Understanding) देवनागरी लिपि के महत्व को समझना।			
11) (Apply) मध्यकालीन और आधुनिक भाषाओं को समझना।			
12) (Analyze) वाक्य रचना के दृष्टिकोण से भाषा का अध्ययन करना।			
Unit	Topics	No of Lectures	
I	<ul style="list-style-type: none"> ● प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय - 1) वैदिक संस्कृत 2) लौकिक संस्कृत 3) पालि 4) प्राकृत 5) अपभ्रंश ● आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय - 1) सिंधी 2) मराठी 3) पंजाबी 4) गुजराती 5) बांग्ला 	15	
II	<ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास ● हिंदी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय – 1) ब्रजभाषा 2) अवधि 3) भोजपुरी 4) खड़ी बोली ● खड़ी बोली हिंदी के विविध रूप - 1) हिंदी 2) हिंदुस्तानी 3) उर्दू 4) दक्खिनी 	15	
III	<ul style="list-style-type: none"> ● हिंदी का शब्द समूह ● देवनागरी लिपि - विशेषताएँ एवं महत्व ● संधि - अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय 	15	
IV	<ul style="list-style-type: none"> ● वाक्य रचना – 1) वाक्य की परिभाषा, अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार 2) हिंदी वाक्य रचना में अध्याहार और पदक्रम संबंधी सामान्य नियम ● समास - अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय 	15	
Reference:			

- 1) मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- 2) सामान्य भाषा विज्ञान - बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
- 3) हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
- 4) हिंदी शब्दानुशासन - आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- 5) आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Code	SEM – VI	Credits	Lectures /Week
25HINMJ613	MAJOR - दलित विमर्श : कथा साहित्य – II (Dalit Discourse : Fiction - I)	4	60
Course Outcomes:			
After successful completion of this course, students would be able to			
13) (Remember) दलित साहित्य की मूल दृष्टि के बारे में जान सकेंगे।			
14) (Understanding) दलित साहित्य के अंतर्गत स्वानुभूति और सहानुभूति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।			
15) (Apply) दलित चेतना से परिचित हो सकेंगे।			

16) (Analyze) वर्ण व्यवस्था और जाति व्यवस्था के आधार पर बनी सामाजिक व्यवस्था के आयामों के बारे में जान सकेंगे।		
Unit	Topics	No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> दलित साहित्य की पृष्ठभूमि भारतीय दलित साहित्य और हिंदी दलित साहित्य 	15
II	<ul style="list-style-type: none"> दलित आंदोलन : स्वातंत्र्य पूर्व दलित आंदोलन : स्वातंत्र्योत्तर 	15
III	<ul style="list-style-type: none"> धरती, धन न अपना (उपन्यास) – जगदीशचंद्र 	15
IV	<ul style="list-style-type: none"> खरोंच (कहानी-संग्रह) – जयप्रकाश कर्दम 	15
References: <ul style="list-style-type: none"> धरती, धन न अपना (उपन्यास) – जगदीशचंद्र, आधार प्रकाशन, पंचकूला (हरियाणा) खरोंच (कहानी-संग्रह) – जयप्रकाश कर्दम, स्वराज प्रकाशन नई दिल्ली सिंह, सं पुन्नी - भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य बांदीवडेकर, चंद्रकांत – साहित्य और दलित चेतना : महीप सिंह दुबे, सं अभय कुमार – आधुनिकता के आईने में दलित शर्मा, पवित्र कुमार – दलित संघर्ष ठाकुर, हरीनारायण – भारत में पिछड़ा वर्ग : आंदोलन और परिवर्तन का नया समाजशास्त्र सिंह, डॉ. एन - दलित चिंतन : अनुभव और विचार कर्दम, जयप्रकाश – दलित विमर्श : साहित्य के आईने में कर्दम, जयप्रकाश – दलित साहित्य : सामाजिक बदलाव की पटकथा वाल्मीकि, ओमप्रकाश – दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र 		

Course Code	SEM – VI	Credits	Lectures /Week
25HINMR621	MINOR - वेब पत्रकारिता – II (Web Journalism)	2	30
Course Outcomes: After successful completion of this course, students would be able to <ol style="list-style-type: none"> (Remember) विद्यार्थी पत्रकारिता के तरंग आधारित नए स्वरूप वेब पत्रकारिता से परिचित होगा। (Understanding) विद्यार्थी स्वतंत्र पत्रकारिता के विभिन्न पक्षों से परिचित होकर स्वयं का वेबसाइट / वेब पेज / ब्लॉग बनाकर अपने विचारों व समाचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना सीखेगा। 			

- 3) (Apply) विद्यार्थी यहाँ खुद संपादक और लेखक बनकर इस मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है और रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकता है।
- 4) (Analyze) विद्यार्थी सीमित साधनों में ही देश-दुनिया के भिन्न-भिन्न समाचार समूहों से जुड़कर अपनी प्रतिभा से संचार जगत में अपनी पहचान बनाकर रोजगार पा सकेगा।

Unit	Topics	No of Lectures
I	<ul style="list-style-type: none"> ● ब्लॉग, वेब पोर्टल एवं डिजिटल पत्र-पत्रिकाएँ 1) ब्लॉग : परिचय, प्रमुख अंग एवं निर्माण की प्रक्रिया 2) वेब पोर्टल : परिचय, प्रमुख अंग एवं निर्माण की प्रक्रिया 3) डिजिटल पत्र-पत्रिकाएँ : परिचय एवं तकनीक 4) हिंदी के प्रमुख ब्लॉग एवं वेब पोर्टल 5) हिंदी की प्रमुख डिजिटल पत्र-पत्रिकाएँ 	15
II	<ul style="list-style-type: none"> ● वेब पत्रकारिता का भविष्य 1) न्यू मीडिया के रूप में वेब पत्रकारिता : उपयोगिता एवं महत्व 2) वेब पत्रकारिता : सामर्थ्य एवं चुनौतियाँ 3) वेब पत्रकारिता का विकास एवं संभावनाएँ 4) वेब पत्रकारिता का प्रबंधन 5) वेब पत्रकारिता अभिव्यक्ति की सीमाएँ 	15

References:

- कुमार, सुरेश – इंटरनेट पत्रकारिता – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, सं – 2004
- जोशी, शशिनी एवं शिवप्रसाद – वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नए रुझान – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, सं – 2012।
- जोशी, शिवप्रसाद – इंटरनेट पत्रकारिता – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, सं – 2010
- पांडेय, डॉ. भगवान एवं मिथलेश कुमार – आधुनिक मीडिया प्रबंधन - तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, सं – 2009
- माथुर, श्याम - वेब पत्रकारिता – राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, सं – 2010
- मौर्य, रामप्रसाद – समाचार लेखन और वेब पत्रकारिता – राज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, सं – 2018
- वाचस्पति, अविनाश एवं रवीन्द्र प्रभात – हिंदी ब्लोगिंग : अभिव्यक्ति की नई क्रांति – हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, सं – 2011
- वैदिक, डॉ. वेदप्रताप – हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम (भाग – 1 व 2) – हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली, सं – 2016
- सिंह, अजय कुमार – इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली, सं – 2014

Course Code	SEM – VI	Credits	Lectures /Week
25HINEL631	ELECTIVE - जनसंचार माध्यम और हिंदी भाषा (Mass Communication & Hindi Language)	4	60
Course Outcomes:			
After successful completion of this course, students would be able to			
<ol style="list-style-type: none"> 1) (Remember) विद्यार्थी संचार माध्यमों और उनकी भाषा के विकास एवं विविधता की प्रक्रिया को समझ सकेंगे। 2) (Understanding) विद्यार्थियों में समाचार पत्रों, रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा एवं वेब मीडिया की भाषा में प्रकारांतर से विश्लेषण करने की क्षमता विकसित हो सकेगी। 3) (Apply) विद्यार्थियों में समाचार लेखन व वाचन, संपादकीय, साक्षात्कार, कमेंट्री, विज्ञापन, प्रतिक्रियात्मक टिप्पणियों, संवाद व संदेश लेखन जैसे रचनात्मक कौशल एवं ज्ञान का विकास हो सकेगा। 4) (Analyze) अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप संचार माध्यम का चयन कर, विद्यार्थी रचनात्मक लेखन या वाचन कौशल का उपयोग कर रोजगार का विकल्प प्राप्त कर सकेंगे। 			
Unit			
Topics		No of Lectures	
I	<ul style="list-style-type: none"> ● जनसंचार परिचय एवं क्षेत्र 1) जनसंचार का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप 2) जनसंचार का क्षेत्र – सूचना, शिक्षा, मनोरंजन, विचार संप्रेषण, विज्ञापन, जनमत, आदि। 3) जनसंचार की आवश्यकता एवं महत्व 4) भारत में जनसंचार का क्रमिक विकास : 	15	

	क) परंपरागत ख) आधुनिक ग) अत्याधुनिक	
II	<ul style="list-style-type: none"> ● जनसंचार के विविध प्रकार 1) मुद्रित (प्रिंट) माध्यम – समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, पोस्टर, होर्डिंग 2) श्रव्य माध्यम – रेडियो, टेलीफोन, एफ.एम. रेडियो 3) दृश्य-श्रव्य – टेलिविजन, सीनेमा, वृत्तचित्र (Documentary) 4) सोशल मीडिया – ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सअप, यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम, ब्लॉग, माइक्रो ब्लॉगिंग, विकिपीडिया, पॉडकास्ट, आदि। 	15
III	<ul style="list-style-type: none"> ● जनसंचार और भाषा 1) जनसंचार और भाषा का अंतरसंबंध 2) संचार भाषा में प्रचलित नई शब्दावली, भाषा के प्रयोग में सावधानियाँ 3) संचार भाषा में शुद्धता और अशुद्धता का प्रश्न 4) संचार भाषा का समाज पर प्रभाव 	15
IV	<ul style="list-style-type: none"> ● मुद्रित एवं श्रव्य माध्यम की भाषा 1) मुद्रित (प्रिंट) माध्यमों की भाषा – समाचार पत्र-पत्रिकाएँ, समाचार संपादकीय, मनोरंजन-विज्ञापन के संदर्भ में 2) श्रव्य माध्यम की भाषा – विज्ञापन, रेडियो, समाचार, उद्घोषणा, कमेंट्री, भेंटवार्ता की भाषा, एफ. एम. चैनल – मनोरंजन, कार्यक्रम, विज्ञापन। 	15

References:

- कुमार, प्रदीप – भारत में जनसंपर्क – नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली, सं – 2021
- कुलश्रेष्ठ, विजय – जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन – राजस्थान प्रकाशन, जयपुर, सं – 2015
- गुप्त, बलदेव राज – भारत में जनसंपर्क – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, सं – 2006
- गुप्ता, ब्रजमोहन – जनसंचार विविध माध्यम – राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली, सं – 1992
- दुबे, श्यामाचरण – संचार और विकास – प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली, सं – 1986
- पारख, जबरीमल – जनसंचार के सामाजिक संदर्भ – अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली, सं – 2001
- रतू, कृष्णभक्तुमार – दूरदर्शन – झनाश्री पब्लिशर्स, जयपुर, सं – 2015
- शर्मा, राधेश्याम – जनसंचार – हिंदी बुक सेंटर, दरियागंज, दिल्ली, सं – 1993
- श्रीवास्तव, डॉ. राजेश – दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन – कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, सं – 2014
- त्रिवेदी, सुशील एवं शुक्ल, शशिकांत – जनसंपर्क : सिद्धान्त और व्यवहार – मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, सं – 1982

Course Code	SEM - VI	Credits	Lectures /Week/ Hours
25HINOJT6	OJT -	4	60

Evaluation Scheme for Third Year (UG) under NEP (4 credits)

I. Internal Evaluation for Theory Courses – 40 Marks

1) Continuous Internal Assessment (CIA) Assignment - Tutorial/ Case Study/ Project / Presentations/ Group Discussion / Ind. Visit. – 20 marks

2) Continuous Internal Assessment (CIA) ONLINE Unit Test – 20 marks

II. External Examination for Theory Courses – 60 Marks

Duration: 2 Hours

Theory question paper pattern:

<u>Question</u>	<u>Based on</u>	<u>Marks</u>
<u>Q.1</u>	<u>Unit I</u>	<u>15</u>
<u>Q.2</u>	<u>Unit II</u>	<u>15</u>
<u>Q.3</u>	<u>Unit III</u>	<u>15</u>
<u>Q.4</u>	<u>Unit IV</u>	<u>15</u>

- All questions shall be compulsory with internal choice within the questions.
- Each Question may be sub-divided into sub questions as a, b, c, d, etc. & the allocation of Marks depends on the weightage of the topic.

NOTE: To pass the examination, attendance is compulsory in both Internal & External (Theory) Examinations.

Evaluation Scheme for Second Year (UG) under NEP (2 credits)

I. Internal Evaluation for Theory Courses – 20 Marks

1) Continuous Internal Assessment (CIA) Assignment - Tutorial/ Case Study/ Project / Presentations/ Group Discussion / Ind. Visit. – 10 marks

2) Continuous Internal Assessment (CIA) ONLINE Unit Test – 10 marks

II. External Examination for Theory Courses – 30 Marks

Duration: 1 Hours

Theory question paper pattern: All questions are compulsory.

Question	Based on	Marks
Q.1	Unit I	15
Q.2	Unit II	15

- All questions shall be compulsory with internal choice within the questions.
- Each Question may be sub-divided into sub questions as a, b, c, d, etc. & the allocation of Marks depends on the weightage of the topic.

NOTE: To pass the examination, attendance is compulsory in both Internal & External (Theory) Examinations.